कानपुर, मंगलवार, 24 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 75, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड कात्यायनीः मां दुर्गा की छठवीं शक्ति की पावन कथा...>Pg12

कटरी ख्यौरा में चला केडीए का बुलडोजर...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

राजधानी लखनऊ का कड़वा सच, स्मार्ट सिटी के मास्टर प्लान की खुली पोल

अफसरों ने गोमती नदी में उतार दी सड़क

एलडीए की समीक्षा में बड़ा खुलासा, बिना जमीनी सर्वे बने नक्शे, विकास योजनाएं फंसीं

सीएम आवास के सामने सड़क सीधे गोमती में, कई प्रमुख मार्गों पर अव्यवहारिक चौड़ीकरण

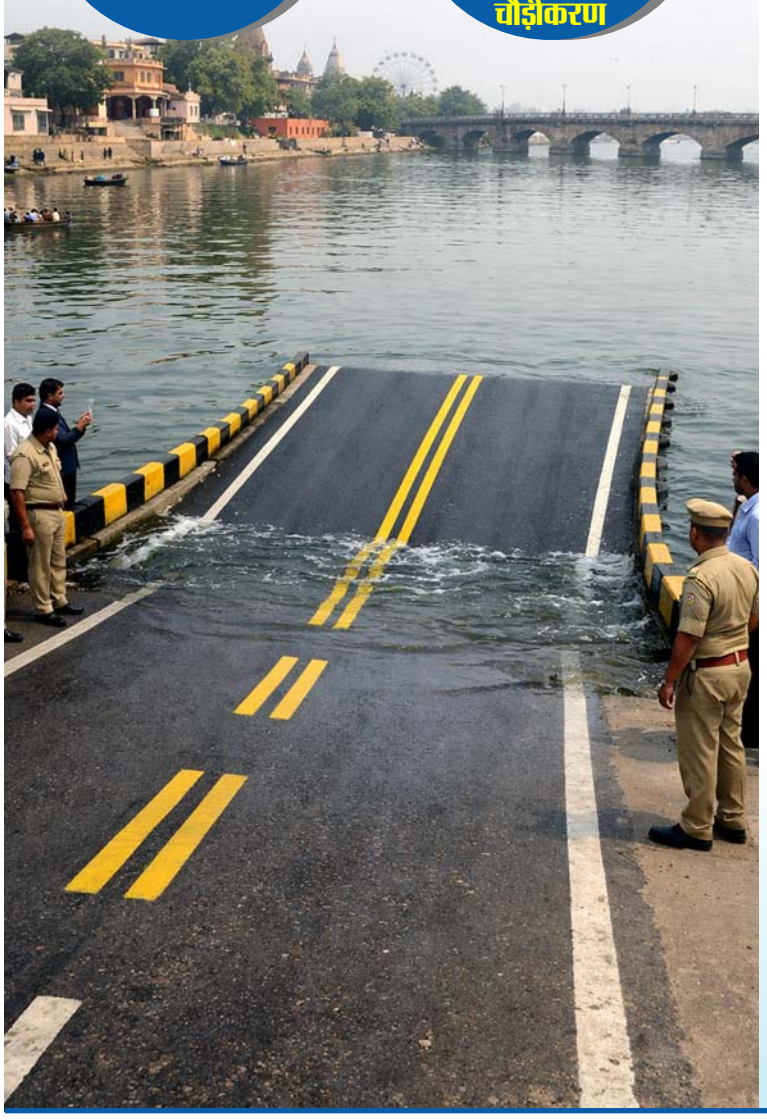

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ । लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने के दावों के बीच शहरी नियोजन की हकीकत ने चौंका दिया है। एलडीए के मास्टर प्लान 2016 की समीक्षा में सामने आया है कि कई सड़कें कागजों पर ऐसी बनाई गईं, जिनका जमीन से कोई मेल नहीं है। कहीं सड़क सीधे गोमती नदी में उतर रही है तो कहीं घनी आबादी के बीच 150 मीटर चौड़ी सड़क का प्रस्ताव दे दिया गया। इस खुलासे ने न केवल योजना निर्माण प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि शहर के भविष्य के विकास मॉडल पर भी गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

राजधानी के विकास का रोडमैप माने जाने वाले मास्टर प्लान 2016 की सच्चाई अब सवालों के घेरे में है। शासन के निर्देश पर एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की अध्यक्षता में गठित समिति जब इसकी समीक्षा में जुटी, तो सामने आई खामियों ने अधिकारियों को भी चौंका दिया।

सबसे गंभीर मामला कालिदास मार्ग का है। यहां मुख्यमंत्री आवास के ठीक सामने प्रस्तावित 24 मीटर चौड़ी सड़क कागजों में सीधे गोमती नदी में समाप्त हो रही है। यह न सिर्फ तकनीकी त्रुटि है, बल्कि यह संकेत भी है कि योजना बनाते समय वास्तविक भौगोलिक स्थिति का आकलन नहीं किया गया। इसी तरह अयोध्या रोड को मास्टर प्लान में 100 मीटर चौड़ा दर्शाया गया है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है। मौजूदा संरचना और जमीन की उपलब्धता को देखते हुए यह प्रस्ताव अव्यवहारिक माना जा रहा है।

आईआईएम रोड का उदाहरण भी योजना की खामियों को उजागर करता है। यहां पहले से 60 मीटर चौड़ी सड़क मौजूद है और दोनों ओर घनी आबादी बस चुकी है। इसके बावजूद इसे 150 मीटर चौड़ा दिखाया गया है, जो न केवल असंभव है, बल्कि इससे हजारों लोगों के विस्थापन की आशंका भी जुड़ी है। कानपुर रोड, मोहान रोड और सीतापुर रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर भी इसी तरह के अव्यवहारिक प्रस्ताव सामने आए हैं। इन खामियों के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और लोगों के भवन नक्शे पास नहीं हो पा रहे।

सूत्रों के मुताबिक, मास्टर प्लान तैयार करते समय जमीनी सर्वेक्षण को नजरअंदाज किया गया और दफ्तरों में बैठकर ही रोड नेटवर्क तय कर दिया गया। यह लापरवाही अब शहर के विकास में बड़ी बाधा बनकर सामने आई है। फिलहाल समिति इन खामियों को दूर करने में जुटी है और संशोधित मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसमें जमीनी हकीकत को प्राथमिकता देने की बात कही जा रही है। कुल मिलाकर लखनऊ का मास्टर प्लान अब खुद सवालों के घेरे में है। अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो ÷स्मार्ट सिटी÷ का सपना कागजों तक ही सिमट सकता है।

अब आगे क्या?

- संशोधित मास्टर प्लान तैयार होगा
- जमीनी सर्वे को प्राथमिकता दी जाएगी
- विशेषज्ञों की टीम जोड़ी गई
- अव्यवहारिक सड़कों को हटाया/संशोधित किया जाएगा

कहां-कहां गड़बड़ी ?

- कालिदास मार्गः सड़क सीधे गोमती नदी में
- अयोध्या रोडः कागजों में 100 मीटर चौड़ी
- आईआईएम रोडः 60 मीटर सड़क को 150 मीटर दिखाया
- कानपुर रोडः अव्यवहारिक चौड़ीकरण
- सीतापुर/मोहान रोडः बिना सर्वे प्रस्ताव

कैसे खुली पोल

- 2016: मास्टर प्लान लागू
- 2024-25: जमीन पर विरोध और नक्शे पास होने में दिक्कतें
- 2026: शासन ने समीक्षा समिति गठित की
- खामियां उजागर, संशोधन प्रक्रिया जारी

क्यों हुआ ऐसा?

- जमीनी सर्वे का अभाव
- पुराने डेटा पर आधारित प्लानिंग
- तेजी से बढ़ती आबादी का सही आकलन नहीं
- विभागीय समन्वय की कमी
- 'डेस्क प्लानिंग' यानी दफ्तर में बैठकर नक्शा बनाना

पब्लिक पर असर

- मकानों के नक्शे पास नहीं
- विकास कार्य अटके
- कानूनी विवाद बढ़ने की आशंका
- प्रॉपर्टी निवेश में अनिश्चितता
- विस्थापन का डर

'टोको-रोको-ठोको' सिद्धांत पर काम करेगी संरचना, शंकराचार्य बोले हर कदम रहेगा संवैधानिक दायरे में

'चतुरंगिणी शक्ति' का गठन: 2.18 लाख सदस्यों के साथ सनातन रक्षा का बड़ा दावा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

वाराणसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सनातन धर्म की रक्षा, सामाजिक जागरूकता और गौरक्षा के उद्देश्य से 'शंकराचार्य चतुरंगिणी सेना' के गठन का ऐलान किया है। काशी के शंकराचार्य घाट स्थित श्रीविद्यामठ में आयोजित कार्यक्रम में इस संगठन को एक अनुशासित और संगठित वैचारिक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

शंकराचार्य ने बताया कि इस पहल के संचालन के लिए 'शंकराचार्य चतुरंगिणी सभा' का भी गठन किया गया है। इसके तहत देशभर से करीब 2.18 लाख सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन में संत, विद्वान, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल होंगे, जो अलग-अलग मोर्चों पर अपनी भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन की कार्यप्रणाली 'टोको, रोको और ठोको' के तीन-स्तरीय सिद्धांत पर आधारित होगी। पहले चरण में संवाद और चेतावनी, दूसरे में विरोध और सामाजिक दबाव, जबकि तीसरे में कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'ठोको' का अर्थ हिंसा नहीं, बल्कि पूरी तरह संवैधानिक कार्रवाई है।

संगठन को चार प्रमुख अंगों और लगभग 20 विभागों में विभाजित किया गया है, जिसमें बौद्धिक, सामाजिक, कानूनी और सेवा क्षेत्र शामिल हैं। संत वैचारिक मार्गदर्शन देंगे, अधिवक्ता कानूनी पक्ष संभालेंगे और मीडिया से जुड़े लोग जनजागरूकता बढ़ाएंगे। सदस्यों के लिए पीले वस्त्र और परशु (फरसा) प्रतीक चिन्ह निर्धारित किया गया है। शंकराचार्य ने बताया कि आगामी माघ अमावस्या पर संगम स्नान के साथ इस संगठन का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। यह पहल धार्मिक-सामाजिक क्षेत्र में एक बड़े संगठनात्मक प्रयास के रूप में देखी जा रही है।

माती कोर्ट अधिवक्ता संघ चुनाव हुए

बलराम अध्यक्ष, महामंत्री बने दुर्गेश

पर्ची मतदान से हुआ चुनाव, अधिवक्ताओं की भारी भागीदारी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात (माती)। जिला न्यायालय परिसर माती में अधिवक्ता संघ का वार्षिक चुनाव सोमवार को शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। पर्ची मतदान प्रणाली से हुए इस चुनाव में अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सुबह से ही न्यायालय परिसर के बाहर चुनावी हलचल देखने को मिली। प्रत्याशियों के समर्थन में टेंट, बैठने और जलपान की व्यवस्था की गई थी, जिससे पूरा परिसर चुनावी रंग में रंगा नजर आया।

अधिवक्ता अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में पर्चियां बांटते और समर्थन जुटाते दिखे। दिनभर मतदान के बाद शाम को मतगणना पूरी हुई और परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष पद पर बलराम सिंह यादव ने 183 वोट पाकर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी अरविंद सिंह कुशवाहा को 170 वोट मिले, जबकि संजय शुक्ला को 70 मत प्राप्त हुए

।महामंत्री पद पर दुर्गेश चंद्र यादव ने 337 वोट पाकर जीत हासिल की। उनके प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र सिंह सेंगर को 91 वोट मिले। मंत्री पद पर माधव कटियार ने 266 वोट पाकर विजय प्राप्त की, जबकि युवराज सिंह को 162 मत मिले।अन्य पदों पर भी चुनाव परिणाम घोषित किए गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मुकेश गुप्ता, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पर विनोद सिंह कुशवाहा और कोषाध्यक्ष पद पर समता सिंह सेंगर निर्वाचित हुए। संयुक्त मंत्री (प्रशासन) पद पर हरि प्रकाश, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद पर आशीष बाजपेई तथा संयुक्त मंत्री (पुस्तकालय) पद पर शशि बिंदु विजयी रहे। महिला कार्यकारिणी में प्रीति त्रिपाठी को चुना गया।वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में राधेश्याम गुप्ता, मानवेंद्र सिंह, अनिल सिंह गौर, महेंद्र सिंह यादव, सुमित नारायण और जगन्नाथ प्रसाद निर्वाचित हुए। वहीं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दीप सिंह राजावत, रणजीत सिंह, श्याम सुंदर, राजेश राजपूत और रूपेश कुमार को चुना गया। कुछ सदस्य निर्विरोध भी विजयी घोषित किए गए। चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के चलते पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सिसोदिया ने बताया कि चुनाव निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से कराया गया।परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने न्यायालय परिसर स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी जाहिर की।

संयुक्त मंत्री गोपाल मिश्रा एडवोकेट ने बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार दोपहर न्यायालय परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी पदाधिकारी औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण करेंगे।

सर्वांगपुर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत फंदे पर लटका मिला शव

पति से व्हाट्सएप कॉल के बाद उठाया आत्मघाती कदम, पुलिस जांच में जुटी

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के सर्वांगपुर गांव में सोमवार को एक 25 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान प्रियंका के रूप में हुई है, जिसकी शादी करीब छह वर्ष पहले गोविंद पासवान से हुई थी। दंपति का एक पांच वर्षीय बेटा है। बताया जा रहा है कि प्रियंका का पति फिलहाल सऊदी अरब में नौकरी करता है, जबकि वह अपने ससुराल में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रह रही थी।घटना सोमवार सुबह की है, जब घर के सभी सदस्य खेतों में फसल काटने के लिए चले गए थे। इसी दौरान प्रियंका घर में अकेली थी। आशंका है कि इसी समय उसने घर का दरवाजा बंद कर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।कुछ देर बाद जब उसका मासूम बेटा घर पहुंचा और दरवाजा खटखटाने पर नहीं खुला, तो वह रोने लगा। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पड़ोसियों ने परिजनों को सूचना दी और दरवाजा खुलवाया। अंदर का दृश्य देख सभी लोग स्तब्ध रह गए–प्रियंका का शव फंदे पर लटका हुआ था।परिजन तत्काल उसे नीचे उतारकर भीतरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना से कुछ समय पहले ही प्रियंका की अपने पति से व्हाट्सएप कॉल पर बातचीत हुई थी। हालांकि, आत्महत्या के पीछे के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पारिवारिक कारणों की आशंका जताई जा रही है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल गांव में इस घटना को लेकर शोक और चर्चा का माहौल है।

गुरुदेव चौराहे पर लगी पीएम-योगी की होर्डिंग

भाजपा कार्यकर्ता की मांग ने सियासी गलियारों में मचाई हलचल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गुरुदेव चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र गोंड ने सीएम योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री बनाने की मांग वाली होर्डिंग लगाकर सियासी हलचल तेज कर दी है।कानपुर में गुरुदेव चौराहा मंगलवार को अचानक राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बन गया। यहां भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र गोंड द्वारा लगाई गई।

एक होर्डिंग ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रधानमंत्री बनाने की पुरजोर मांग की गई है।

इस होर्डिंग के सामने आते ही शहर के सियासी गलियारों में यह सवाल तैरने लगा है कि क्या यह महज एक कार्यकर्ता का उत्साह है या फिर किसी बड़े रणनीतिक %सॉफ्ट सिग्नल% की शुरुआत? होर्डिंग में सीएम योगी की तस्वीर के साथ उन्हें देश के सर्वोच्च पद पर देखने की इच्छा जताई गई है।

होर्डिंग बनी चर्चा का विषय

भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र गोंड की इस पहल को कुछ लोग आगामी चुनावों की बिसात से जोड़कर देख रहे हैं, तो कुछ इसे पार्टी के भीतर नेतृत्व की भविष्य की तस्वीर के तौर पर आंक रहे हैं। फिलहाल, यह होर्डिंग सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों तक चर्चा का विषय बनी हुई है।

कटरी ख्यौरा में चला केडीए का बुलडोजर

12 बीघे में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

20 बीघे में नोटिस, अवैध कॉलोनियों पर कसेगा शिकंजा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर. शहर में अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने मंगलवार को बड़ा अभियान चलाया। प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने कटरी ख्यौरा समेत विभिन्न क्षेत्रों में करीब 12 बीघे में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग और निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

यह कार्रवाई केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर विशेष कार्याधिकारी/उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। मौके पर 02 जेसीबी मशीनों से अवैध कॉलोनियों में बनाई गई सड़कों, नालों, बाउंड्रीवाल, बिजली पोल, पिलर और निर्माणाधीन भवनों को जमींदोज कर दिया गया।

कार्रवाई के तहत छेदी लाल व अन्य, लाल यादव व अन्य तथा नन्द व अन्य द्वारा ग्राम कटरी ख्यौरा में की जा रही लगभग 12 बीघे की अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा न्यू कानपुर परियोजना क्षेत्र के सिंहपुर में भी अवैध निर्माण पर कार्रवाई की गई। केडीए ने इसी के साथ अवैध प्लाटिंग करने वालों पर शिकंजा कसते हुए ग्राम लुधौरी क्षेत्र में लगभग 20 बीघे में चल रही दो प्लाटिंग साइटों को चिन्हित कर नोटिस जारी किए हैं। इनमें दिलीप कटियार, महेश कटियार व अन्य द्वारा 15 बीघे तथा जैन प्लाटिंग द्वारा 05 बीघे में बिना स्वीकृति विकास कार्य किए जाने की बात सामने आई है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर इन पर भी जल्द ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी।

डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि बिना मानचित्र स्वीकृत कराए प्लाटिंग करना पूरी तरह अवैध है और इसमें लोगों को गुमराह कर प्लॉट बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी कॉलोनियों में सड़क, नाली, बिजली, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलतीं, जिससे भविष्य में खरीदारों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

उन्होंने आम जनता से अपील की कि प्लॉट खरीदने से पहले केडीए से स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें और केवल अनुमोदित कॉलोनियों में ही निवेश करें।

केडीए ने चेतावनी दी है कि अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चकेरी में अवैध निर्माण पर केडीए की कार्रवाई, भवन सील

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने चकेरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजा देहली सुजानपुर में किए गए अनाधिकृत निर्माण को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार श्री अजय सिंह चंदेल द्वारा आराजी संख्या 1958 पर, बजरंगी गैस एजेंसी के बगल में बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण कराया जा रहा था। इस पर केडीए ने संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन दल एवं स्थानीय पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंचकर निर्माण को सील कर दिया। केडीए के अवर अभियंता अटल चतुर्वेदी ने बताया कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह अवैध है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने केडीए की इस कार्रवाई को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे अवैध निर्माण पर लगाम लगेगा।

सुरंग बनाकर ज्वैलर्स शॉप में चोरी का खुलासा, दो आरोपी व एक सर्राफ गिरफ्तार

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

- सीसीटीवी और 'यक्ष एप' की मदद से पुलिस ने पकड़े शातिर चोर
- चोरी का माल खरीदने वाले सर्राफ समेत बाइक व उपकरण बरामद

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां में सुरंग बनाकर ज्वैलर्स की दुकान में हुई करीब पांच लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों और एक सर्राफ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक, सुरंग खोदने के उपकरण, चांदी व आर्टिफिशियल जेवरात बरामद किए हैं।

मामले का खुलासा करते हुए डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि ओमपुरवा लाल बंगला निवासी सोनू वर्मा की अहिरवां स्थित न्यू पटेल नगर में 'खाटू ज्वैलर्स' नाम से दुकान है। बीती 16 मार्च की रात चोरों ने दुकान के पीछे स्थित खाली प्लॉट से सुरंग बनाकर दुकान में प्रवेश किया और करीब एक किलो चांदी, आठ ग्राम सोना तथा लगभग 50 हजार रुपये नकद समेत करीब पांच लाख रुपये का माल पार कर दिया। चोरी के दौरान बदमाश दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी उखाड़ ले गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर आरोपियों की गतिविधियां संदिग्ध मिलीं। 'यक्ष एप' की मदद से उनकी पहचान कर उन्हें ट्रेस किया गया। इसके बाद पुलिस ने फतेहपुर मूल निवासी और वर्तमान में नौबस्ता मछरिया (राजीव नगर) में रहने वाले मोहम्मद शकील तथा धर्मेंद्र गौतम उर्फ जावेद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में

आरोपियों ने बताया कि चोरी का माल बेकनगंज निवासी सर्राफ शाह कमाल को बेचा गया था। पुलिस ने सर्राफ को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 130 ग्राम चांदी, एक जोड़ी पायल, 500 ग्राम का चांदी का नोट, 159 आर्टिफिशियल ज्वैलरी और एक डीवीआर बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी मोहम्मद शकील पहले अहिरवां क्षेत्र में रहता था, जिससे उसे इलाके की पूरी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया। शकील डिलीवरी बॉय का काम करता है और उसके खिलाफ पहले से 10 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें गैंगस्टर एक्ट भी शामिल है। वहीं धर्मेंद्र गौतम पर भी पूर्व में दो मामले दर्ज हैं।

सेंट्रल स्टेशन पर अवैध वेंडरों का जाल

सुरक्षा और व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। देश के सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों में गिने जाने वाले कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों का नेटवर्क लगातार सक्रिय बना हुआ है। यह स्थिति रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्टेशन पर व्यापक सीसीटीवी निगरानी और पूर्व में मिल चुकी सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद बिना अनुमति सामान बेचने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

हालात यह हैं कि अवैध वेंडर अब प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं हैं, बल्कि चलती ट्रेनों में भी खुलेआम पॉपकॉर्न, खिलौने और खाद्य सामग्री बेचते नजर आ रहे हैं। खासतौर पर लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग की ट्रेनों में इनकी सक्रियता अधिक देखी जा रही है। बिना किसी वैध लाइसेंस या पहचान पत्र के ये वेंडर यात्रियों के बीच सामान बेच रहे हैं, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ गया है।

सूत्रों के अनुसार, कई वेंडरों ने स्वीकार किया है कि वे किसी ठेकेदार के इशारे पर काम कर रहे हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि यह कोई छिटपुट गतिविधि नहीं, बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में लंबे समय से संचालित हो रहा है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक कोई प्रभावी और ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

यात्रियों का कहना है कि इस अवैध कारोबार से रेलवे को राजस्व का नुकसान हो रहा है, वहीं ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ बढ़ने से सफर असुविधाजनक हो जाता है। इसके अलावा,

- बिना लाइसेंस ट्रेनों में बिक रहा सामान, यात्रियों ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

बिक रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है, जिससे यात्रियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है।

जांच में यह भी सामने आया है कि सिटी साइड पार्सल क्षेत्र, स्वचालित सीढ़ियों और पैदल मार्गों के जरिए अवैध वेंडर आसानी से स्टेशन के भीतर प्रवेश कर रहे हैं। इन स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा जांच की कमी के कारण स्थिति और अधिक चिंताजनक हो गई है। यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि अवैध वेंडरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर इस समस्या पर तत्काल रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि सख्त कार्रवाई से ही स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिले।

रिश्तेदारी के भरोसे 40 हजार की ठगी

फर्जी प्लाट के झांसे में आई महिला पुलिस जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना मूसानगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पुलंदर में ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां रिश्तेदारी का भरोसा ही धोखे की वजह बन गया। गांव निवासी सुमन देवी, पत्नी राजा बाबू, फर्जी प्लाट लगाने के नाम पर 40 हजार रुपये की ठगी का शिकार हो गईं।

पीड़िता का आरोप है कि क्रीती पासवान, पत्नी गुड्डू पासवान, जो रिश्तेदारी में आती हैं, ने उन्हें प्लांट लगाने का लालच दिया। भरोसे में लेकर उनके खाते से पैसे निकलवा लिए गए। जब तक सुमन देवी को ठगी का एहसास हुआ, तब तक आरोपी रुपये लेकर फरार हो चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही सुमन देवी के पति राजा बाबू ने तत्काल थाना मूसानगर पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने भी त्वरित संज्ञान लिया है।

हल्का इंचार्ज महेंद्र सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो चुकी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोनों पक्षों को बुलाकर पूछताछ की जाएगी और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं ग्राम प्रधान बीके तिवारी ने बताया कि 22 तारीख को मामला उनके संज्ञान में आया था। उन्होंने पीड़ित परिवार को तत्काल थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी थी, जिसके बाद अब पुलिस कार्रवाई में जुटी है। गौरतलब है कि क्षेत्र में इस तरह की ठगी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जहां लोग फर्जी योजनाओं और निवेश के नाम पर ग्रामीणों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी योजना में निवेश करने से पहले उसकी सत्यता की पूरी जांच जरूर करें। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और जल्द ही आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

मूल्यांकन केंद्रों पर शिक्षक नेताओं का दौरा तेज, समस्याओं को लेकर आंदोलन की चेतावनी

अकबरपुर इंटर कॉलेज में शिक्षकों से संवाद भत्तों व समान वेतन की उठी मांग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य के बीच प्रदेशभर में शिक्षक नेताओं का भ्रमण लगातार तेज हो गया है। मूल्यांकन केंद्रों पर पहुंचकर शिक्षक नेता शिक्षकों की समस्याएं सुन रहे हैं और उनके समाधान की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बना रहे हैं। इसी क्रम में अकबरपुर इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा संघ (ठकुराई गुट) के प्रदेशीय महामंत्री बीके मिश्रा ने शिक्षकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को विस्तार से सुना।

इस दौरान बीके मिश्रा ने कहा कि मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षकों को स्थानीय भत्ता एवं जलपान भत्ता दिए जाने की व्यवस्था तत्काल लागू की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि वित्तविहीन शिक्षकों के साथ सरकार भेदभाव कर रही है, जो किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन का सिद्धांत लागू होना चाहिए और शिक्षकों को कैशलेस सुविधा व मानदेय का लाभ तुरंत दिया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सरकार ने शिक्षकों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।कार्यक्रम के दौरान शिक्षक नेताओं ने एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर संघर्ष करना ही एकमात्र विकल्प है।

इस मौके पर राजेश श्रीवास्तव, विपिन त्रिपाठी, ओम प्रकाश पटेल, राम स्वरूप चरसोलिया, व्रजेन्द्र रावत, राज नारायण दीक्षित, नन्द लाल पाल, रमेश यादव, पन्ना लाल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षक नेता मौजूद रहे।

नवारम्भ उत्सव: आंगनबाड़ी व बालवाटिका में नामांकन बढ़ाने पर जोर

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक क्षेत्र के विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में 25 मार्च को नवारम्भ उत्सव मनाया जाएगा। इसको लेकर मोहम्मदपुर स्थित इंटर कॉलेज में बैठक आयोजित की गई, जिसमें शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

खंड शिक्षा अधिकारी मलासा आनंद भूषण के निर्देश पर आयोजित बैठक में बताया गया कि सभी लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों व बालवाटिका विद्यालयों में नवारम्भ उत्सव के माध्यम से 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के नामांकन पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके तहत अभिभावकों को आमंत्रित कर विद्यालय की गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

एआरपी कुलदीप सैनी ने कहा कि विद्यालय स्तर पर आमंत्रण पत्र वितरित कर अभिभावकों से संपर्क बढ़ाया जाए। साथ ही बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से साझा कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। एआरपी अश्वनी कटियार ने बताया कि बच्चों के भाषा कौशल के विकास के लिए स्पेलिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें शब्द लेखन की शुद्धता, लेखन गति और अंग्रेजी की "Complete the Spelling" गतिविधि पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक में विद्यालयों में ICT लैब, स्मार्ट क्लास, ईको क्लब और मिशन लाइफ गतिविधियों के प्रभावी संचालन तथा निर्माण कार्यों की ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा 3-4 वर्ष के बच्चों के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स, पजल और खेल सामग्री उपलब्ध कराने को कहा गया। नवारम्भ उत्सव का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों में 3-5 वर्ष के बच्चों का नामांकन बढ़ाना और 6 वर्ष के बच्चों का कक्षा 1 में प्रवेश सुनिश्चित करना है।

इस अभियान की समीक्षा राज्य स्तर पर की जाएगी। बैठक में एआरपी वीरेन्द्र विक्रम सिंह, योगेन्द्र त्रिवेदी सहित सभी प्रधानाध्यापक, शिक्षक व शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। । नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है।

क्या पांच राज्यों के चुनाव परिणाम सवर्णों के भविष्य को तय करेंगे

निरंजन भंडारी

सवर्ण वोट कभी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों का भी कोर वोट बैंक हुआ करता था, और इनकी दलित-ओबीसी आरक्षण व अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीतियों से आजिज होकर भाजपा के आकर्षक मंडल विरोधी कमण्डलवाद पर फिदा हो चुका था, वह मोदी-शाह युग में एक के बाद दूसरे झटके लगते रहने से सियासी विकल्प ढूंढ रहा है।देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, जिसके मतदान/परिणाम भाजपा नीत एनडीए की भावी रीति-नीति और सवर्णों के सामाजिक-राजनीतिक भविष्य को तय करेंगे।

बताया जाता है कि यदि इन चुनावों को भाजपा नीत गठबंधन जीत जाता है तो वह ओबीसी-दलित वोटरों को रिझाने के लिए सवर्ण विरोधी एजेंडों को इत्मीनान पूर्वक धार देगा।ऐसा इसलिए कि सामान्य जातियों से जुड़े सवर्ण वोटर ही भाजपा के कोर वोटर माने जाते हैं, लेकिन ओबीसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के रहते हुए भी जिस तरह से सवर्ण विरोधी यूजीसी इक्विटी बिल लाया गया है, उससे सामान्य जातियों के लोग अर्थात सवर्ण समुदाय का एक बड़ा तबका अपनी मुख्य पार्टी भाजपा से काफी नाराज हैं और बदलती राजनीति के बीच वे किधर करवट लेंगे, यह बात पूरी तरह से चुनाव परिणाम आने के बाद ही पता चलेगा। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अपने हिंदुत्व के एजेंडे को धार देने के लिए भाजपा कांग्रेसी राज और समाजवादी राज की दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक व भाषाई क्षेत्र सम्बन्धी नीतियों को और अधिक धार दे रही है। आरक्षण, जातीय जनगणना, एससी-एसटी एक्ट से जुड़े पदोन्नति प्रावधान, कमाऊ मंदिर संचालन जैसी नीतियों में पहले की सरकारों में और अब की सरकार में कोई अंतर नहीं आया है।कोढ़ में खाज यह कि भाजपा अपने हिंदुत्व के एजेंडे से भटकती प्रतीत हो रही है। ऐसे में सत्ता के जातीय, सांप्रदायिक और भाषाई-क्षेत्रवाद की मानसिकता में कोई बदलाव न देख देश का सामाजिक इंजन वर्ग यानी सवर्ण समुदाय भाजपा से काफी नाराज है और यूजीसी इक्विटी बिल ने आग में घी का काम किया है।चूंकि सवर्ण वोट कभी कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों का भी कोर वोट बैंक हुआ करता था, और इनकी दलित-ओबीसी आरक्षण व अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की नीतियों से आजिज होकर भाजपा के आकर्षक मंडल विरोधी कमण्डलवाद पर फिदा हो चुका था, वह मोदी-शाह युग में एक के बाद दूसरे झटके लगते रहने से सियासी विकल्प ढूंढ रहा है। चूंकि भाजपा नेतृत्व पूंजीपतियों के इशारे पर ब्राह्मण-राजपूत नेतृत्व को दरकिनार करते हुए ओबीसी-दलित नेतृत्व को मजबूत कर रहा है, इससे भी सवर्ण वर्ग में नाराजगी है।यही वजह है कि 5 राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगी दल भाजपा के खिलाफ पनपे सवर्ण प्रतिरोध को पूरी तरह से अंदर ही अंदर भुनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि उनका दलित-ओबीसी-अल्पसंख्यक कोर वोट बैंक नाराज भी न हो और सवर्ण भी उनकी ओर लौट जाएं, ताकि अबतक की हारी हुई बाजी को पुनः जीता जा सके और यत्र तत्र जीती हुई बाजी को बरकरार रखाक जा सके! हालांकि, अब वे अपनी कोशिशों में कितने कामयाब होंगे, यह तो मतदान/मतगणना बाद ही पता चल पाएगा।वहीं, कतिपय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि देश के पश्चिम बंगाल समेत असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के चुनाव परिणाम सवर्णों के सामाजिक-राजनीतिक भविष्य को तय नहीं करेंगे, भले ही भाजपा इन चुनावों में पश्चिम बंगाल और असम जीत जाए और तमिलनाडु, केरल व पुडुचेरी में पहले से ज्यादा मजबूत होकर जीते।

अमेरिका-ईरान युद्ध से अब इंटरनेट सेवाओं पर संकट के बादल

ऊर्जा संकट

क्षमा शर्मा

इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा।अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध के चलते अभी विश्व के देश ऊर्जा संकट का समाधान तो निकाल ही नहीं पा रहे कि डिजिटल सेवाओं के बाधित होने के भय से दुनिया के देशों की सरकारों की जान सांसत में आने लगी हैं।

इंटरनेट आज प्रमुख आवश्यकताओं में से एक हो गया है। एयर लाइंस, बैंकिंग सेवाएं, संचार व्यवस्था जिसमें संवाद कायम करने से लेकर सभी तरह की डिजिटल सेवाएं, स्टॉक मार्केट आदि आदि बुरी तरह से प्रभावित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। आज इंटरनेट पर

निर्भरता बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका-ईरान युद्ध को जिस तरह से शुरुआती दौर में ट्रंप द्वारा हलके में लिया जा रहा था वास्तव यह ट्रंप की गलत फहमी ही रही। वैसे भी रुस यूक्रेन के युद्ध से ही अमेरिका को सबक लेना चाहिए था। दोनों देश पास पास होने और संसाधनों की दृष्टि से रुस अधिक ताकतवर होने के बावजूद आज तक कोई अंत नहीं दिखाई दे रहा। अमेरिका ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में अभी तो उर्जा संकट है पर जिस तरह के हालात बनते जा रहे हैं आने वाले समय में मध्य पूर्व के देशों में पेयजल और दुनिया के देशों के लिए इंटरनेट सेवाओं के प्रभावित होने की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। दरअसल जिस तरह से कच्चे तेल और एलपीजी आदि की दुनिया के देशों में सप्लाई हार्मुज जलडमरुमध्य के रास्ते होने और ईरान द्वारा इस रास्ते में अवरोध बनने से उर्जा संकट गंभीर रुप लेता जा रहा हैं। ठीक यही समस्या इंटरनेट को लेकर हो सकती है। कारण साफ है। युद्ध समाप्ति या यों कहें कि सीज फायर के आसार अभी तक बनते नहीं लग रहे तो दूसरी और ज्यों ज्यों एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के अधिक प्रयास होंगे तो ईरान हथियार के रुप में समुद्र में बिछी केबल्स को भी नुकसान पहुंचाने में कोई गुरेज नहीं करेगा। दुनिया के इंटरनेट ट्रैफिक का प्रमुख रास्ता भी यही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 20 प्रतिशत ट्रैफिक हार्मुज और लालसागर के रास्ते से गुजरता है। हार्मुज जलडमरुमध्य तो हालात यहां तक है कि सकरे स्थान पर तो मात्र 200 फीट की गहराई पर ही सबमैरिन केबल लाईने बिछी हुई है। लगभग यही हालात लालसागर के हैं। वहां भी इंटरनेट सेवाओं के लिए सबमैरिन केबल्स बिछी हुई है। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरुमध्य क्षेत्र में सुरंगे बिछाने का काम किया जा रहा है और इससे अन्य नुकसान होने के साथ ही फाइबर केबल्स के भी क्षतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। अधिकांश प्रमुख सेवा प्रदाताओं ने इसी क्षेत्र में डेटा सेंटर स्थापित कर रखे हैं। जानकारों के अनुसार हार्मुज क्षेत्र से करीब 20 और लालसागर क्षेत्र से 17 केबल्स गुजरती है। 2024 में भी लाल सागर क्षेत्र में हूती हमलों के दौरान केबल प्रभावित हो चुकी है। वर्तमान हालातों में यदि सबमैरिन केबल्स प्रभावित भी होती है तो हालात जिस तरह के हैं उनमें प्रभावित केबल्स को ठीक करनों में महीनों ही क्या साल भी लग सकता है और ऐसे में दुनिया के देश एक नए संकट के दौर से गुजरने को मजबूर हो जाएंगे।इंटरनेट की दुनिया अभी छह दशक भी पूरे नहीं कर पाई है कि बड़ी समस्या सामने आ गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 1960 में जब जेसीआर लिकलाइडर ने वैश्विक नेटवर्क की कल्पना की थी उस समय यह सोचा भी नहीं होगा कि तीन से चार दशक में ही इंटरनेट संचार जगत में बड़ी क्रांति लाने में सफल हो जाएगा। 1969 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा एंडवास्ड रिसर्च प्रोजेक्टस एजेन्सी नेटवर्क के लिए विंट सर्फ और बॉब काह्न ने टीसीपी/आईपी प्रोटोकाल विकसित किया।

भारत में सही तौर पर तो 1995 में वीएसएनएल ने इंटरनेट सेवाओं का विस्तार किया। आज बड़ी समस्या यह है कि अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि के विशाल डेटा सेंटर यूएई और सउदी आदि देशों में हैं। यही कारण है कि समुद्री रास्ते से फाइबर केबल्स भी हार्मुज जलडमरुमध्य व लालसागर होते हुए ही हैं। यदि केबल्स में व्यवधान होती है या किसी तरह से जाने अनजाने नुकसान पहुंचता है तो वीडियों काल, इमेल आदि से लेकर इंटरनेट से जुड़ी सभी तरह की सेवाएं प्रभावित हो सकती है।

समाधान दिवस में 86 शिकायतें मौके पर सिर्फ 5 का निस्तारण

○ बाकी फरियादी मायूस होकर लौटे, सात दिन में कार्रवाई के निर्देश ○ ब्लैक-व्हाइट ड्रेस कोड में नजर आए लेखपाल

स्वराज इंडिया न्यूज

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील बिल्हौर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में इस बार कुल 86 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से मौके पर केवल 5 मामलों का ही निस्तारण हो सका। शेष फरियादी कार्रवाई के आश्वासन के साथ लौट गए। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि लंबित मामलों का निस्तारण शासन की तय सात दिन की समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और प्रकरणों की समीक्षा स्वयं करेंगे।

समाधान दिवस में संभियापुर गांव निवासी दौलतराम द्वारा चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत प्रमुख रही। प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर नाली हटवाकर मार्ग को बहाल कराया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा।

इसके अलावा राजस्व संबंधी मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। न्योराखेड़ा के सुभाष की भूमि प्रविष्टि दुरुस्त कराई गई, भगवन्तपुर की रामबेटी के नाम में संशोधन किया गया और चंदुला के त्रिभुवन सिंह की बंधक भूमि मुक्त कराने की कार्रवाई की गई।

समाधान दिवस में राजस्व के 56, पुलिस के 13, विकासखंड के 5 और विद्युत विभाग के 4 समेत अन्य शिकायतें शामिल रहीं। इस दौरान डीसीपी कासिम आबिदी, सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी और एसडीएम बिल्हौर डॉ संजीव दीक्षित तहसीलदार अनुभव चंद्र, एसीपी मंजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस बार जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में तहसील के अधिकारियों द्वारा तय ड्रेस कोड में लेखपाल नजर आए। ब्लैक पैंट और सफेद शर्ट में मौजूद लेखपालों में कुछ जहां सक्रिय दिखे। वहीं कई अपने पुराने अड्डों पर जमे रहे।

तहसील समाधान दिवस में फरियादियों की फरियाद सुनते अधिकारी

दिव्यांग को प्रमाण पत्र सौंपते जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह।

ईद की छुट्टी से बदली तारीख, कम पहुंचे फरियादी

ईद की छुट्टी के चलते इस बार समाधान दिवस शनिवार के बजाय सोमवार को आयोजित किया गया। दिन में बदलाव की जानकारी अधिकांश लोगों तक नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते फरियादियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कई ग्रामीणों को यह भी जानकारी नहीं थी कि सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समाधान दिवस होगा, जिससे बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर नहीं पहुंच सके।

समाधान दिवस में 44 दिव्यांगों को मिला प्रमाण पत्र

बिल्हौर तहसील में आयोजित समाधान दिवस पर लगे विशेष शिविर में 44 दिव्यांगजनों को मौके पर प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके साथ ही पेंशन, बैंकिंग व अन्य योजनाओं से भी जोड़ा गया, जबकि कुछ को जांच के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों से एक ही स्थान पर सुविधाएं मिल रही हैं।

'हुजूर' के आने की खबर से तहसील हुई चौकस

स्वराज इंडिया ब्यूरो, बिल्हौर (कानपुर)। तहसील के अधिकारियों को एक दिन पहले ही हुजूर साहब यानी जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निरीक्षण की भनक लग गई थी। बस फिर क्या था। पूरी टीम ने दिन-रात एक कर व्यवस्था की स्क्रिप्ट ही बदल डाली और तहसील को 'परफेक्ट सीन' बनाने में जुट गई। निरीक्षण की खबर मिलते ही पूरे तहसील परिसर में हलचल तेज हो गई। अफसरों से लेकर कर्मचारियों तक सभी अपनी जिम्मेदारियों को दुरुस्त करने में जुट गए। फाइलें सलीके से सजाई गईं, दफ्तरों की साफ-सफाई हुई और कर्मचारियों की समय से मौजूदगी सुनिश्चित की गई। सिर्फ कागजी काम ही नहीं, बल्कि तहसील की सूरत भी संवारने का काम तेजी से किया गया। परिसर में रंगाई-पुताई कराई गई, टूटी खिड़कियों को ठीक कराया गया और अन्य छोटे-बड़े मरम्मत कार्य भी युद्धस्तर पर पूरे किए गए, जिससे पूरा माहौल चुस्त-दुरुस्त नजर आया। पालिका प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय दिखा। सफाई कर्मचारियों ने अभियान चलाकर परिसर से गंदगी हटाई और व्यवस्था को व्यवस्थित बनाया। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा भी रही कि अगर जिलाधिकारी का निरीक्षण इसी तरह अचानक होता रहा, तो तहसील की व्यवस्था हमेशा चौकस और दुरुस्त बनी रहेगी।

15 करोड़ का थाना निर्माण सवालों में डीएम के निरीक्षण में सामने आईं खामियां

स्वराज इंडिया ब्यूरो

⇨ फिनिशिंग और फिटिंग में कमी पर भड़के डीएम, कार्यदायी संस्था को सुधार करने के निर्देश, जीटी रोड से जुड़ेगा थाना परिसर

बिल्हौर, संवाददाता। कमिश्नरेट क्षेत्र के बिल्हौर में करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन थाना भवन एवं आवासीय परिसर की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्थल का निरीक्षण किया, जिसमें कई तकनीकी व फिनिशिंग से जुड़ी खामियां सामने आईं।

बिल्हौर कस्बे के उत्तरी छोर पर हाईवे किनारे बन रहे इस नए थाना भवन का उद्देश्य क्षेत्रीय जनता को बेहतर पुलिस सुविधा उपलब्ध कराना है। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था के माध्यम से कराया जा रहा है। डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस की कार्रवाई के बाद मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दरवाजों की फिटिंग, कब्जों की गुणवत्ता, दीवारों की फिनिशिंग और अन्य निर्माण कार्यों में कई छोटी-बड़ी कमियां पाई गईं। कुछ स्थानों पर कार्य मानक के अनुरूप नहीं पाया गया, जिस पर डीएम ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मौके पर मौजूद जिम्मेदार अधिकारियों व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को फटकार लगाते हुए तत्काल खामियां दुरुस्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार ही पूरे किए जाएं और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। साथ ही निर्माण कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। डीएम ने कहा कि समय-समय पर ऐसे निरीक्षण किए जाएंगे, ताकि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके और जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। हाईवे के पास बनने के बावजूद थाना भवन तक सीधा रास्ता न होने पर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने एनएचएआई और लोक निर्माण विभाग को जीटी रोड से मार्ग जोड़ने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन थाना बिल्हौर का निरिक्षण करते कानपुर डीएम व अन्य अधिकारी

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शेषपुर धर्मशाला गांव निवासी 35 वर्षीय पुरुषोत्तम कटियार रविवार रात मकनपुर से अपनी बहन की शादी के निमंत्रण पत्र बांटकर बाइक से घर लौट रहे थे। अरौल-मकनपुर रोड पर बम्हनी मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सीएचसी बिल्हौर भिजवाया, जहां से हालत गंभीर होने पर परिजन लखनऊ ले गए। सोमवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।मृतक के भाई उत्तम कटियार ने बताया कि घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन हादसे के बाद परिवार में शोक छा गया है। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बेसिक शिक्षा के बच्चों की ऊंची उड़ान, अहमदाबाद तक पहुंची प्रतिभा

स्वराज इंडिया न्यूज

बिल्हौर (कानपुर)। बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। सीमित संसाधनों के बावजूद जनपद के विद्यार्थियों ने ऊंची उड़ान भरते हुए अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। इसी क्रम में जनपद कानपुर नगर के दो मेधावी छात्र राज्यस्तरीय एक्सपोजर विजिट के लिए चयनित हुए हैं, जो आज दिल्ली से अहमदाबाद के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में कम्पोजिट विद्यालय गोहलियापुर, बिल्हौर के कक्षा 8 के छात्र हसन तथा कम्पोजिट विद्यालय भौतीखेड़ा, कल्याणपुर की छात्रा मनु शामिल हैं। पूरे जनपद से मात्र दो छात्रों का चयन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

बताया गया कि यह चयन राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी एवं नवाचार आधारित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। हसन ने अपने विज्ञान मॉडल के माध्यम से विशिष्ट पहचान बनाई, वहीं मनु ने भी अपनी प्रतिभा और नवाचार से चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

यह एक्सपोजर विजिट विद्यार्थियों को नए अनुभव, ज्ञान और प्रेरणा प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य में और अधिक ऊंचाइयों को छू सकेंगे। दोनों छात्रों की इस सफलता से विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। बेसिक शिक्षा के इन नन्हे प्रतिभाशाली बच्चों की यह उड़ान न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय बन गई है।

वाराणसी में सिलेंडर ब्लास्ट से मकान ढहा, भाई-बहन की मौत, मां-बेटा घायल

» लहरतारा इलाके में सुबह खाना बनाते समय हादसा

» धमाका इतना तेज कि आसपास के घरों में भी आई दरारें

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

वाराणसी। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे वाराणसी के लहरतारा क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में हुए भीषण विस्फोट से एक मंजिला मकान पूरी तरह ढह गया। इस हादसे में भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मां और बड़ा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, लहरतारा निवासी 60 वर्षीय गिरिजा देवी अपने परिवार के साथ घर में रह रही थीं। परिवार में उनके दो बेटे–अमन चौधरी (31) और अवधेश चौधरी (30) तथा बेटी प्रीति उर्फ लक्ष्मी (24) शामिल थे। मंगलवार सुबह गिरिजा देवी रसोई में खाना बना रही थीं, तभी अचानक गैस सिलेंडर से रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते पाइप में आग लग गई और कुछ ही पलों में तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया।

धमाका इतना भीषण था कि पूरा मकान भरभराकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों ने जोरदार आवाज सुनते ही मौके की ओर दौड़ लगाई। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और फील्ड यूनिट की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं।

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान मलबे से चारों लोगों को बाहर निकाला गया। सभी को तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने अवधेश चौधरी और प्रीति उर्फ लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया। वहीं गिरिजा देवी और अमन चौधरी का इलाज जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विस्फोट के कारण आसपास के कई मकानों में दरारें आ गईं। कुछ घरों के खिड़की-दरवाजे तक उखड़ गए, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।

एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई थी। प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि हादसा गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण हुआ। उन्होंने बताया कि सभी प्रभावितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया और आगे की जांच की जा रही है।

परिवार पर पहले से ही दुखों का पहाड़ टूटा हुआ था, क्योंकि गिरिजा देवी के पति आत्मा प्रसाद का तीन साल पहले निधन हो चुका था। अब इस हादसे ने परिवार को और भी गहरे सदमे में डाल दिया है। पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल बना हुआ है।

पुलिस कस्टडी में युवती पर ताबड़तोड़ फायरिंग

सीएचसी परिसर में दो घंटे से घात लगाए बैठे थे हमलावर, मेडिकल के बाद कार में मारी गोली

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पुलिस कस्टडी के दौरान एक युवती पर उसके ही सगे भाइयों द्वारा की गई ताबड़तोड़ फायरिंग ने कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह हमला पूरी साजिश के तहत अंजाम दिया गया, जहां हमलावर करीब दो घंटे तक सीएचसी परिसर में घात लगाए बैठे रहे।घटना उस वक्त हुई जब मेडिकल के बाद युवती को पुलिस प्राइवेट कार से वापस ले जा रही थी। तभी दोनों भाई अचानक पहुंचे और कार के शीशे से पिस्टल सटाकर फायरिंग कर दी।

बताया गया कि एक गोली युवती के सिर में जा लगी, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।कार में मौजूद महिला कांस्टेबल प्रीति ने साहस का परिचय देते हुए खुद को युवती के सामने ढाल बना लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। वहीं, एसआई विजयपाल सिंह निहत्थे होने के बावजूद एक हमलावर को पकड़ने में सफल रहे, लेकिन हाथापाई के दौरान आरोपी फरार हो गया। दोनों हमलावर मौके से भागने में कामयाब रहे, जबकि पुलिस को घटनास्थल से तीन खोखे बरामद हुए हैं।जानकारी के मुताबिक, रामखेड़ी गांव निवासी 25 वर्षीय राखी 16 मार्च को लापता हो गई थी। परिजनों ने अपहरण का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सोमवार को युवती खुद थाने पहुंची और अपने बयान में खुद को बालिग बताते हुए प्रेमी के पक्ष में खड़ी हो गई।युवती के इस रुख से नाराज उसके भाइयों ने आशंका जताई कि कोर्ट में भी वह यही बयान दे सकती है, जिसके चलते उन्होंने जल्दबाजी में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे दिया।

फायरिंग की घटना से सीएचसी परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मरीज, तीमारदार और स्टाफ दहशत में आ गए। हैरानी की बात यह है कि मौके पर करीब आठ सुरक्षाकर्मी मौजूद थे, इसके बावजूद हमलावर आसानी से फरार हो गए।पुलिस अब आरोपियों की तलाश में जुटी है और पूरे मामले की जांच तेज कर दी गई है। यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि पुलिस कस्टडी में भी अगर सुरक्षा चाक-चौबंद नहीं है, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं।

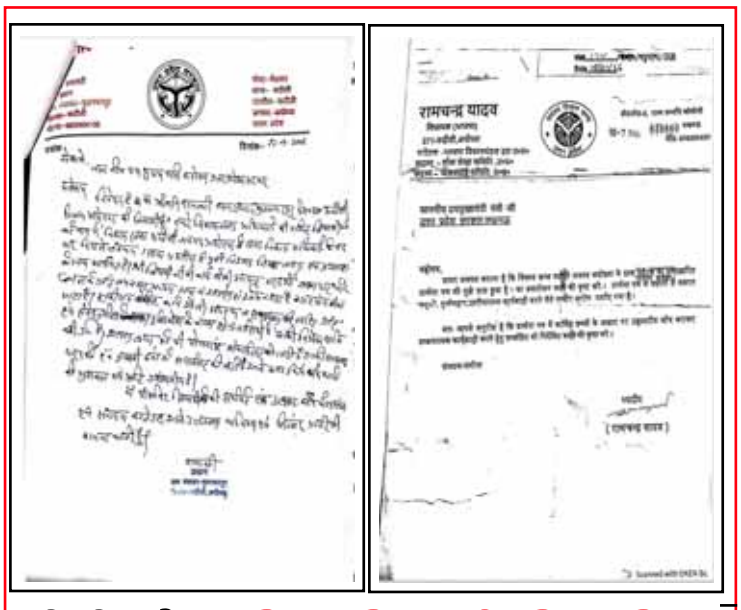

बीडीओ अमित त्रिपाठी निलंबित

» प्रधानों की शिकायत पर विधायक के पत्र के बाद कार्रवाई

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) अमित कुमार त्रिपाठी को उत्तर प्रदेश शासन ने निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के पीछे क्षेत्र के कुछ प्रधान की शिकायतें सामने आई हैं।

मिली जानकारी के अनुसार प्रधानों ने बीडीओ पर विभिन्न अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए भाजपा विधायक राम चन्द्र यादव से शिकायत की थी। बताया जाता है कि शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक राम चन्द्र यादव ने शासन को पत्र लिखकर जांच व कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद शासन स्तर पर मामले का संज्ञान लिया गया और प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई कर दी गई।

बीडीओ पर सरकारी धन के दुरुपयोग, अनियमित भुगतान,कर्मचारियों का वेतन रोकने तथा दुर्व्यवहार जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा और बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही उन्हें किसी अन्य कार्य,व्यापार या व्यवसाय में संलिप्त न होने का प्रमाण भी प्रस्तुत करना होगा। वहीं कुछ ग्राम प्रधानों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बीडीओ अमित त्रिपाठी के खिलाफ तहसील से लेकर जिला मुख्यालय स्तर तक पूर्व में किसी भी प्रकार की औपचारिक शिकायत सामने नहीं आई थी। फिलहाल पूरे मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

500 रुपये के विवाद में किशोर की निर्मम हत्या

» शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदली » एक पल में उजड़ गया मां-बाप का सहारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सिकंदरा थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक शादी समारोह उस समय खौफनाक घटना में बदल गया, जब महज 500 रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में एक किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि शादी की खुशियां देखते ही देखते मातम में बदल गईं। जानकारी के अनुसार, गांव महेशपुर निवासी दिवंगत राघवेंद्र की पुत्री की शादी सिकंदरा स्थित विमला गार्डन गेस्ट हाउस में चल रही थी। बारात आ चुकी थी और डीजे पर युवक डांस कर रहे थे। इसी दौरान गांव के ही सत्यम और गौरव के बीच 500 रुपए के लेनदेन को लेकर बहस शुरू हो गई।

मृतक की फाइल फोटो

बताया गया कि सत्यम ने डांस के दौरान गौरव से अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन गौरव ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया। बात बढ़ते-बढ़ते गाली-गलौज और धक्का-मुक्की तक पहुंच गई।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद के दौरान गौरव ने अचानक चाकू निकाल कर सत्यम के पेट में ताबड़तोड़ वार कर दिया। सत्यम मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे।

घायल सत्यम को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिकंदरा ले जाया गया, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर पवन कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, पेट में गहरे घाव व अत्यधिक खून बहने से उसकी मौत हो गई ग्रामीणों के अनुसार, मृतक सत्यम कक्षा 10 का छात्र था और अपने परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनें हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

शादी वाले घर में खुशियों की जगह चीख-पुकार गूंजने लगी।

घटना के बाद आरोपी गौरव ने भागने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही सिकंदरा थाना पुलिस के साथ कई थानों की फोर्स, अपर पुलिस अधीक्षक और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

लोगों का कहना है कि यह घटना एक बार यह सोचने पर मजबूर करती है कि छोटी-छोटी बातों पर बढ़ता गुस्सा किस तरह बड़ी घटनाओं में बदल रहा है। महज 500 रुपये के लिए एक किशोर की जान चली गई, जिससे दो परिवारों की जिंदगी हमेशा के लिए बिगड़ गई।

संदिग्ध हालात में बुजुर्ग की मौत, पोस्टमार्टम से खुलेगा राज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे के कन्हैया नगर में एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की बहू द्वारा संदेह जताने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिजनों के मुताबिक, मुखर्जी नगर निवासी किराना व्यापारी कपिल साहू के पिता उमाशंकर (58) लंबे समय से बीमार चल रहे थे। रविवार को उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद हालत में सुधार होने पर परिजन उन्हें घर वापस ले आए थे।बताया जा रहा है कि सोमवार देर रात उनकी अचानक

मौत हो गई। मृतक की बहू रिया ने मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।मृतक के छोटे बेटे कपिल साहू ने पुलिस को बताया कि उनके पिता पेट की बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज चल रहा था। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

वार्षिकोत्सव में दिखा देशभक्ति का रंग, मेधावी बच्चों को पुरस्कार

शिक्षक विधायक राजबहादुर सिंह चंदेल ने बढ़ाया बच्चों का उत्साह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। वार्षिक उत्सव व सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों में अंतर्निहित प्रतिभा में निखार होता है। जिससे बच्चे निर्भीक व साहसी बनकर अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। सफलता की ओर यह बड़ा कदम होता है। यह बात शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कही।

रसूलाबाद क्षेत्र के सिमरामऊ में स्थित बीआरजेडी इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद शिक्षक संघ राज बहादुर सिंह चंदेल ने शिरकत की। जिनका कॉलेज के प्रबंधक सर्वेंद्र सिंह यादव ने स्वागत किया। वहीं शिक्षक विधायक राजबहादुर सिंह चंदेल ने सरस्वती मां के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। कॉलेज के वार्षिक उत्सव और प्रतिभा सम्मान समारोह में बच्चों ने मंच पर देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न नाटकों, गानों पर मंचन किया और दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। सुबह से शुरू हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम देर शाम तक चलता रहा। जहां रसूलाबाद, कहिंजरी,रूरा अकबरपुर सहित आसपास इलाके के तमाम प्रतिष्ठित लोग व अभिभावक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान संबोधित करते हुए शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका में गिरावट परिलक्षित होती है। लोग अपने दायित्वों का सही से निर्वहन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा को ज्ञान और तरक्की तक ले जाना चाहिए।इसको व्यवसाय नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा में लाने की एक प्रक्रिया है। जहां शिक्षा से लोग व्यापार,नौकरी व अन्य क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में बेहतर प्रस्तुति देने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया और सभी को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे लाभचंद्र गुप्ता,सदस्य जिला पंचायत विश्राम सिंह यादव मटल्हू, ग्राम प्रधान शशिकांत शुक्ला, उदय सिंह गौर,अरविंद तिवारी,पंकज सिंह गौर ने बच्चों को ट्रॉफी भेंट कर उनको सम्मानित किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से ग्राम प्रधाण जयप्रकाश पाल, संतोष यादव, कुंदन सिंह नायक,धर्मेंद्र सिंह यादव, रामबाबू गौतम ,अरविंद सिंह तोमर ,शीतला यादव, इंद्रपाल सिंह यादव, बउआ सिंह चौहान, शिक्षक नेता अनिल सिंह गौर,प्रशांत कटियार, राजेंद्र प्रसाद चौहान,एस के शुक्ला, सरोवर सिंह,दीपक सिंह चंदेल, गौरव सिंह, कमलेश शुक्ला सहित कई लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य उमेश यादव ने सभी का आभार प्रकट किया।

टेट अनिवार्यता के विरोध में सड़कों पर उतरे शिक्षक

मशाल जुलूस निकालकर जताया रोष, सरकार से निर्णय वापस लेने की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का गुस्सा अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। बुधवार शाम कस्बे में एक सैकड़ा से अधिक शिक्षकों ने मशाल जुलूस निकालकर सरकार के फैसले के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। झींझक रोड पर एकत्र हुए शिक्षक हाथों में मशाल और तख्तियां लेकर मुख्य चौराहा तक पहुंचे। इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए टेट अनिवार्यता को वापस लेने की मांग की।

यूनाइटेड टीचर फेडरेशन के जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह ने कहा कि वर्ष 2009 से पहले नियुक्त शिक्षकों की भर्ती उस समय के सभी मानकों के अनुसार हुई थी।

उस समय शिक्षक पात्रता परीक्षा (टेट) लागू नहीं थी, ऐसे में अब इसे जबरन लागू करना गलत है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने निर्णय वापस नहीं लिया तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा।

वरिष्ठ शिक्षक अख्तर हुसैन ने कहा कि टेट 2011 में लागू हुई, जबकि उनकी नियुक्ति इससे पहले हो चुकी थी। अब 50-55 वर्ष की आयु में टेट पास करना व्यवहारिक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह नियम शिक्षकों को नौकरी से बाहर करने की मंशा से लाया गया है।

शिक्षिका रिचा कटियार ने कहा कि सरकार को यह काला कानून वापस लेना होगा, अन्यथा आने वाले समय में जिला से लेकर प्रदेश और देश स्तर तक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मशाल जुलूस में शिव गोविंद (जिला महामंत्री), वसीम अहमद, नागेंद्र वर्मा, संजय यादव, रिजवान खान, नीरज यादव, कमलेश्वर बाजपेई, अम्बुज मिश्रा, मुर्तजा खान, रामकुमार, अखंड प्रताप, इदरीश खां, मुख्तार अहमद, सर्वेश कुमार, जावेद, आशीष मिश्रा गोपाल, कुलदीप यादव, इरफान, अखिलेश कुमार, लाल बाबू, विजय यादव, राम मोहन, मो. हारून, कालूराम भारती, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल रहे। मशाल जुलूस मुख्य चौराहा होते हुए वापस झींझक तिराहा पर समाप्त हुआ।

अवैध खनन में 49.57 लाख का राजस्व नुकसान, फर्म पर कार्रवाई

भोगनीपुर में स्वीकृत क्षेत्र से बाहर 9286 घनमीटर बालू निकाली

जिलाधिकारी कपिल सिंह कानपुर देहात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात। जनपद में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन की सख्ती जारी है। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में गठित टास्कफोर्स द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम किशुनपुर कछार स्थित खनन क्षेत्र में बड़ी अनियमितता सामने आई है।

उपजिलाधिकारी भोगनीपुर देवेंद्र सिंह और खान अधिकारी की संयुक्त टीम ने जांच के दौरान पाया कि स्वीकृत पट्टा क्षेत्र से बाहर 9286.5 घनमीटर साधारण बालू का अवैध खनन व परिवहन किया गया। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि खनन के चलते कई स्थानों पर पानी भर गया है।

जांच में पट्टाधारक मे0 जयमहाकाल एक्सप्लोरेशन प्रा.लि. के निदेशक संतोष कुमार सचान द्वारा 49,57,520 रुपये की राजस्व क्षति होना परिलक्षित हुआ है। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित फर्म के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने टास्कफोर्स को निर्देश दिए हैं कि जनपद में अवैध खनन और परिवहन पर लगातार नजर रखी जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नवारम्भ उत्सव को लेकर घर-घर बांटे निमंत्रण, नामांकन बढ़ाने पर जोर

» तीन और छह वर्ष के बच्चों पर विशेष फोकस रहेगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के प्राथमिक विद्यालय विजयसिंहपुर में 25 मार्च को प्रस्तावित नवारम्भ उत्सव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय स्टाफ और आंगनबाड़ी टीम द्वारा संयुक्त रूप से घर-घर जाकर अभिभावकों को आमंत्रित किया जा रहा है।इसी क्रम में प्रधानाध्यापक रजनीश सक्सेना के नेतृत्व में सहायक अध्यापिका नीलम श्रीवास्तव, शिक्षामित्र अल्का देवी व पृथ्वीराज, आंगनबाड़ी कार्यकत्री मंजू गौतम तथा सहायिका ऊषा गौतम ने गांव में संपर्क अभियान चलाया। टीम ने अभिभावकों से मुलाकात कर उन्हें नवारम्भ उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र दिए और बच्चों के नामांकन के लिए जागरूक किया। नवारम्भ उत्सव का मुख्य उद्देश्य तीन वर्ष के बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें पूर्व-प्राथमिक शिक्षा से जोड़ना है। इसके साथ ही जुलाई 2026 में छह वर्ष पूर्ण करने वाले बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश दिलाने के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया जा रहा है।शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान

अभियान के दौरान शिक्षकों ने अभिभावकों को बताया कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव होती है। समय से स्कूल में नामांकन कराने से बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षा से वंचित न रखें। विद्यालय प्रशासन का लक्ष्य है कि इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से दूर न रह जाए। इसके लिए लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालय परिवार का प्रयास है कि हर बच्चा स्कूल पहुंचे और शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े।

सीएम योगी के दौरे को लेकर बहराइच में हाई अलर्ट, अभेद किले जैसी होगी सुरक्षा व्यवस्था

आईजी अमित पाठक ने कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और पार्किंग का किया निरीक्षण, ड्रोन-पतंग उड़ाने तक पर रहेगी रोक

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बहराइच। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 25 मार्च को प्रस्तावित बहराइच दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। मोतीपुर तहसील के सेमरहना गांव में आयोजित कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद किले की तरह मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन और पुलिस महकमा किसी भी तरह की चूक न हो, इसके लिए पूरी ताकत के साथ तैयारियों में जुटा हुआ है।

देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक ने स्वयं कार्यक्रम स्थल, हेलीपैड और वाहन पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आईजी ने बताया कि कार्यक्रम स्थल के आसपास का पूरा क्षेत्र नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। यहां ड्रोन उड़ाने के साथ ही पतंग उड़ाने तक पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड के आसपास किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के प्रवेश पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने अस्थायी पार्किंग व्यवस्था, रूट डायवर्जन, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन एक पैर पर खड़ा नजर आ रहा है। अधिकारियों की लगातार बैठकों और निरीक्षणों के जरिए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्यक्रम पूरी तरह सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो।

जमानत के बहाने थाने बुलाकर युवक को भेजा जेल, मथुरा पुलिस की कार्रवाई

फरसा बाबा प्रकरण के बाद गौरक्षा से जुड़े लोगों पर शिकंजा, उपद्रव में शामिल आरोपियों की धरपकड़ जारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

मथुरा। फरसा बाबा की मौत के बाद हुए विवाद और उपद्रव के मामले में मथुरा पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने एक युवक को जमानत के बहाने थाने बुलाकर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, जिससे क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने चतुराई दिखाते हुए दक्ष चौधरी से फोन कराकर प्रकाश नाम के युवक को यह भरोसा दिलाया कि वह जमानत के लिए आ जाए और आसानी से छूट जाएगा। जैसे ही प्रकाश थाने पहुंचा, पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और बाद में जेल भेज दिया।

सूत्रों के मुताबिक, प्रकाश सिंह फरसा बाबा की मौत के बाद हुए उपद्रव के दौरान मौके पर मौजूद था और घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। इसी बीच योजना बनाकर उसे थाने बुलाया गया और गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

लगातार हो रही गिरफ्तारियां

मथुरा में विवाद के बाद पुलिस गौरक्षा से जुड़े लोगों पर लगातार शिकंजा कस रही है। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उपद्रव और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वही इस घटना के बाद सोशल मीडिया में लगातार पुलिस पर और सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं.

घटना के बाद से इलाके में पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

गर्मी की चेतावनी के उलट प्रदेश में बदला मौसम

उत्तर-पश्चिम भारत में चोटियों पर बर्फबारी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मौसम में उतार चढ़ाव जारी है। सोमवार को अचानक एक नए कमजोर विक्षोभ के विकसित होने से बादलों की सक्रियता बढ़ी और मेरठ, आगरा, मुरादाबाद, बरेली, हरदोई जैसे कुछ पश्चिमी जिलों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इसके असर से ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। 24.4 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ बरेली में सबसे ठंडा दिन रहा। वहीं 14.5 डिग्री तापमान के साथ अयोध्या और बुलंदशहर में सबसे ठंडी रात रही।

मौसम विभाग का कहना है कि मंगलवार को प्रदेश में कहीं-कहीं बादलों की आवाजाही रहेगी। लेकिन मौसम लगभग शुष्क रहेगा। वहीं 26 मार्च से एक और विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, जिसके असर से पश्चिमी जिलों में फिर से बूंदाबांदी के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार से कुछ जिलों में हवाएं भी चल सकती हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 28 मार्च से फिर एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा जिसका असर पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा। इस दौरान पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में हल्की से मध्यम बारिश के संकेत हैं। विभाग का कहना है कि मंगलवार से अगले दो दिन धूप की तपिश बढ़ने से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तापमान में तीन से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

साथियों को बचाते हुए शहीद हुए कैप्टन प्रशांत, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

आसन बैराज में अभ्यास के दौरान डूबते जवानों को बचाने कूदे थे

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के जमानियां निवासी भारतीय सेना के कैप्टन प्रशांत कुमार चौरसिया ने साथियों की जान बचाते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 21 मार्च को देहरादून के विकासनगर स्थित आसन बैराज में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान जब कुछ जवान डूबने लगे, तो कैप्टन प्रशांत बिना अपनी जान की परवाह किए उन्हें बचाने के लिए कूद पड़े और वीरगति को प्राप्त हो गए।

शहीद कैप्टन का पार्थिव शरीर सोमवार को देहरादून से वायुसेना के विशेष विमान द्वारा वाराणसी एयरपोर्ट लाया गया।यहां सैन्य अधिकारियों और जवानों ने उन्हें सशस्त्र सलामी दी।

इसके बाद सड़क मार्ग से पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव जमानियां ले जाया गया, जहां रास्ते भर लोगों ने पुष्प वर्षा कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।जैसे ही तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा,

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां सुमन चौरसिया और पिता पुरुषोत्तम चौरसिया की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

अंतिम दर्शन के लिए गांव और आसपास के इलाकों से भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने तिरंगा हाथ में लेकर अपने वीर सपूत को नमन किया।इसके बाद पूरे सम्मान के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई और विभिन्न स्थानों पर लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

शाम को पक्का बलुआ घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, जहां छोटे भाई मयंक चौरसिया ने मुखाग्नि दी।कैप्टन प्रशांत चौरसिया की शहादत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बाजार बंद रहे और हर आंख नम नजर आई। उनके इस अदम्य साहस और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

अयोध्या

अयोध्या में कमल के भीतर 'कैंप वॉर'

नदिया के तीर लगा दिया पूरा खेमा: पूर्व सांसद गुट 'आउट', सत्ता वाले 'इन'

स्वराज इंडिया विशेष

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

» महापौर से लेकर महानगर तक सफाया? संगठन में 'सिंगल कैंप' का कब्जा!

» कमेटी' नहीं, 'कैंप' बनी भाजपा महानगर टीमसवाल

अयोध्या। भाजपा महानगर कमेटी के गठन ने संगठन के भीतर दबे ज्वालामुखी को फोड़ दिया है। आरोपों की धार सीधी महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता की जोड़ी पर है, जिन पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह के खेमे को नदिया के तीर लगाने का इल्जाम लग रहा है।

संजय शुक्ला, राकेश मणि त्रिपाठी, दिवाकर सिंह, अंशुमान मित्रा जैसे कैडर के चेहरे टीम से बाहर हैं। संदेश साफ है जो 'खेमे' में नहीं, वो 'स्कीम' में नहीं। दिलचस्प तस्वीर यह है कि जहां जिला कमेटी में पूर्व सांसद गुट की पकड़ दिखती है, वहीं महानगर टीम में उनका अस्तित्व लगभग शून्य है। यानी संगठन अब एकजुट नहीं, बल्कि ÷पावर जोन÷ में बंटा हुआ नजर आ रहा है।

अंदरखाने चर्चा है कि महानगर टीम के करीब 90त्न पदों पर विधायक खेमे का दबदबा है। उपाध्यक्ष के 8 में से 7 नाम महामंत्री और मंत्री पद सब पर एक ही गुट की छाप बताई जा रही है। नहीं, स्पष्ट वर्चस्व की कहानी कहता है। 20-30 साल से संगठन को सींचने वाले कार्यकर्ताओं की नाराजगी अब खुलकर सामने है। उनका आरोप ÷हम बूथ-सेक्टर में खपते रहे, और पद मलाई की तरह बंट गए।

सबसे बड़ा विवाद एक व्यक्ति एक पद नीति को लेकर है।

नामित पार्षदों को ही संगठन में पद देकर इस नियम की खुलेआम अनदेखी के आरोप लग रहे हैं।इतना ही नहीं एक ही हफ्ते में मित्र को पार्षद और फिर कार्यकारिणी में जगह विधायक के विद्यालय से जुड़े परिवार को पदये घटनाएं इशारा करती हैं कि योग्यता नहीं, नजदीकी 'पासपोर्ट' बन गई है। नामित पार्षदों के बाद अब महानगर संगठन से भी महापौर का खेमा नदारद बताया जा रहा है।

यानी सत्ता का पूरा नक्शा एक ही रंग में रंगता नजर आ रहा है।अयोध्या भाजपा के भीतर उठते ये सवाल अब प्रदेश नेतृत्व के दरवाजे तक पहुंच चुके हैं। कार्यकर्ताओं की सीधी मांग है पारदर्शिता, संतुलन और कैडर का सम्मान।

दिवाकर सिंह: संघर्ष का सिपाही, सत्ता का अनचाहा मेहमान

दो दशक तक पार्टी की आवाज बने चेहरे को नई टीम ने खामोशी से किया दरकिनार

अयोध्या। अयोध्या की सियासत में एक नाम चुपचाप किनारे कर दिया गया दिवाकर सिंह। वही दिवाकर, जिसने उस दौर में भाजपा की आवाज को मीडिया की सुर्खियों तक पहुंचाया, जब पार्टी सत्ता से दूर थी। आधा दर्जन जिलाध्यक्ष बदले, लेकिन दिवाकर हर दौर में संगठन की सूचना-धारा बने रहे।आज हालात उलट हैं। सत्ता शिखर पर है, मगर वही सिपाही दरवाजे के बाहर खड़ा है। नई टीमों की चमक में पुराने चेहरे धुंधले कर दिए गए मानो संघर्ष अब असुविधाजनक स्मृति हो।सियासी गलियारों में चर्चा है कि व्यक्तिगत लगाव और क्षेत्रीय समीकरण ने निष्ठा को पीछे धकेल दिया। सवाल अब भी गूंज रहा है क्या वफादारी की कोई कीमत बची है, या यह भी अब इस्तेमाल के बाद छोड़ दी जाने वाली वस्तु बन चुकी है?

अयोध्या में कमल खिला जरूर है, लेकिन उसकी पंखुड़ियों के नीचे खेमेबाज़ी की मिट्टी इतनी सख्त हो चुकी है कि जड़ें दम तोड़ती नजर आ रही हैंज और अगर यही हाल रहा, तो यह 'कैंप वॉर' संगठन को भीतर से खोखला कर सकता है।

विहिप के संस्थापक सदस्य ओमप्रकाश मदान का निधन, अयोध्या में शोक की लहर

रायपुर में आकस्मिक निधन, समाजसेवा की अमिट छाप छोड़ गए

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। विश्व हिन्दू परिषद के संस्थापक सदस्यों में रहे वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रसिद्ध उद्योगपति ओमप्रकाश मदान का रायपुर (छत्तीसगढ़) में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही अयोध्या सहित विभिन्न क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। ओमप्रकाश मदान अपने छात्र जीवन से ही नेतृत्व क्षमता के लिए पहचाने जाते थे। अवध विश्वविद्यालय के साकेत महाविद्यालय में वे एक प्रभावशाली छात्र नेता रहे और बाद में विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, लायंस क्लब सहित अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाज के वंचित वर्ग के लिए निरंतर कार्य करते रहे। अयोध्या और रायपुर में उन्होंने उद्योग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय सहित अनेक सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक हस्तियों से उनके आत्मीय संबंध रहे। उनके निधन पर अयोध्या के पत्रकारों, व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं सिंधी समाज के पदाधिकारियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

महंत संत दास की शिकायत से उठा बवंडर

नवनियुक्त बीजेपी जिला मंत्री पर फिर गंभीर आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या में भाजपा संगठन एक बार फिर विवादों के घेरे में है, जहां महंत संत दास उर्फ राजेश सिंह मानव की शिकायत ने सियासी हलचल तेज कर दी है। अपनी लिखित शिकायत में महंत संत दास ने भाजपा जिला कमेटी के पदाधिकारी राघवेंद्र नारायण पाण्डेय पर अवैध प्लाटिंग, फर्जी बैनामा और भूमि कब्जे जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए तत्काल जांच और पद से हटाने की मांग की है।

महंत संतदास

महंत की शिकायत के अनुसार, मौजा जनौरा क्षेत्र में गाटा संख्या की कई जमीनों पर कथित रूप से सुनियोजित तरीके से कब्जा और अवैध कॉलोनाइजिंग का खेल चलाया गया, जिसमें राघवेंद्र पाण्डेय के साथ उनके सहयोगियों के नाम भी सामने आए हैं। महंत संत दास ने यह भी उल्लेख किया है कि इस प्रकरण में पूर्व में एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब मामला मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है, तो फिर ऐसे आरोपित व्यक्ति को भाजपा संगठन में जिम्मेदारी क्यों दी गई? महंत संत दास ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो इससे न केवल मुख्यमंत्री की छवि बल्कि भाजपा की साख को भी गंभीर नुकसान होगा।

रामनवमी मेले को लेकर अयोध्या में यातायात डायवर्जन लागू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। चैत्र रामनवमी मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जनपद में 24 मार्च दोपहर 2 बजे से 27 मार्च रात 12 बजे तक भारी वाहनों के लिए विशेष यातायात डायवर्जन लागू कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर सहित अन्य मालवाहक वाहनों को अयोध्या शहर में प्रवेश नहीं मिलेगा और उन्हें पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे सहित विभिन्न वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा।सुल्तानपुर, रायबरेली, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, गोण्डा, बाराबंकी, लखनऊ और कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग रूट निर्धारित किए गए हैं। इन मार्गों से वाहनों को शहर से पहले ही डायवर्ट कर दिया जाएगा, जिससे मेले के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था आवश्यक सेवाओं को छोड़कर लागू रहेगी। आमजन से अपील की गई है कि वे निर्धारित मार्गों का पालन करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

कात्यायनीः मां दुर्गा की छठवीं शक्ति की पावन कथा

मां दुर्गा की छठवीं शक्ति कात्यायनी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है

नवरात्रि में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं।

इस देवी को नवरात्रि में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती परम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया।

इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। ये वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं।

भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी। इसीलिए ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। इनका स्वरूप अत्यंत भव्य और दिव्य है। ये स्वर्ण के समान चमकीली हैं और भास्वर हैं।

इनकी चार भुजाएं हैं। दाईं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में। मां के बाईं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है व नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है। इनका वाहन भी सिंह है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इसलिए कहा जाता है कि इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है।

कूटनीति और टकराव के बीच अमेरिका की दोहरी रणनीति

ईरान पर हमले 5 दिन टाले 'गुप्त वार्ताकार' पर सस्पेंस

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य हमलों को 5 दिनों के लिए टालकर कूटनीतिक विकल्पों के लिए खिड़की खुली रखने का संकेत दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका इस समय ईरान के एक "शीर्ष और बेहद सम्मानित" नेता के साथ बातचीत कर रहा है, हालांकि उन्होंने उस व्यक्ति की पहचान उजागर करने से इनकार किया।

इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अटकलें तेज हो गई हैं। कई रिपोर्ट्स में मोहम्मद बागेर कालीबफ का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिकी रणनीतिकार उन्हें ईरान की सत्ता संरचना के भीतर एक ऐसे प्रभावशाली चेहरे के रूप में देख रहे हैं, जो मौजूदा संकट को शांत करने में भूमिका निभा सकते हैं।

हालांकि, ईरान ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। कालीबफ ने स्वयं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी किसी भी बातचीत को "फेक न्यूज" करार दिया और कहा कि यह खबरें भ्रामक हैं तथा इनका उद्देश्य क्षेत्रीय संकट से ध्यान भटकाना है।

अमेरिकी दावों पर संदेह, 'दूसरे नेता' की चर्चा भी तेज: फ्लोरिडा के पाम बीच में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका "दूसरे सर्वोच्च नेता" से बातचीत नहीं कर रहा है। इसे मोजतबा खामेनेई की ओर इशारा माना जा रहा है, जो ईरान के सर्वोच्च नेतृत्व के संभावित उत्तराधिकारी माने जाते हैं।

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई से ईरानी नेतृत्व को "भारी नुकसान" पहुंचा है, लेकिन इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अब तक नहीं हो सकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान अधिकतर मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति का हिस्सा हो सकता है।

अमेरिका की 'इुअल ट्रैक' नीति

सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन इस समय दोहरी रणनीति पर काम कर रहा है एक ओर सैन्य दबाव बनाए रखना और दूसरी ओर बैक-चैनल कूटनीति के जरिए समाधान तलाशना। कालीबफ जैसे नेता को संभावित वार्ताकार के रूप में देखने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि वे ईरान की सुरक्षा और राजनीतिक ढांचे से गहराई से जुड़े हुए हैं। हालांकि, प्रशासन के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद भी हैं और अंतिम निर्णय अभी लंबित है। विश्लेषकों का कहना है कि ईरान की जटिल सत्ता संरचना में किसी एक नेता के साथ बातचीत से व्यापक समाधान निकलना आसान नहीं होगा, क्योंकि अंतिम निर्णय सर्वोच्च नेतृत्व के हाथ में ही रहता है।

होर्मुज पर 'कंट्रोल गेम', वैश्विक आपूर्ति पर खतरा

दूसरी ओर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान ने सख्त रुख अपना लिया है। ईरानी सुरक्षा प्रतिष्ठान ने संकेत दिया है कि इस अहम जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को अब तेहरान के साथ पूर्व समन्वय करना होगा। यह जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। ऐसे में ईरान का यह कदम अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है। ईरान ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि उसके तटीय इलाकों या ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ, तो जवाब केवल मिसाइलों तक सीमित नहीं रहेगा। समुद्री मार्गों में बारूदी सुरंगें (माइन) बिछाने का विकल्प भी खुला रखा गया है।

तनाव के बीच 'पर्दे के पीछे संवाद' की संभावना

दिलचस्प रूप से, जहां सार्वजनिक तौर पर ईरान बातचीत से इनकार कर रहा है, वहीं कूटनीतिक सूत्र संकेत देते हैं कि मित्र देशों के जरिए अप्रत्यक्ष संवाद की संभावनाएं बनी हुई हैं। यह दोहरी स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीतिक स्थिति मजबूत रखते हुए बातचीत के विकल्प को पूरी तरह बंद नहीं करना चाहते। पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात एक नाजुक मोड़ पर खड़े हैं, जहां हर बयान और हर कदम का वैश्विक असर पड़ सकता है। अमेरिका का हमले टालना और 'गुप्त वार्ता' का संकेत जहां तनाव कम करने की कोशिश दिखाता है, वहीं होर्मुज पर ईरान की सख्ती टकराव के जोखिम को और बढ़ा रही है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह संकट कूटनीति से सुलझेगा या फिर एक बड़े सैन्य संघर्ष की दिशा में बढ़ेगा।

- अमेरिका ने ईरान पर संभावित हमला 5 दिनों के लिए टाला
- डोनाल्ड ट्रंप का दावा "शीर्ष ईरानी नेता" से बातचीत जारी
- मोहम्मद बागेर कालीबफ का नाम संभावित वार्ताकार के रूप में चर्चा में
- ईरान ने किसी भी प्रत्यक्ष वार्ता से किया इनकार
- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण सख्त, जहाजों के लिए समन्वय जरूरी
- ईरान की चेतावनी, जरूरत पड़ने पर समुद्री मार्गों में माइन बिछाने का विकल्प
- वैश्विक तेल आपूर्ति और बाजारों पर बढ़ा जोखिम
- पर्दे के पीछे कूटनीतिक संवाद की संभावनाएं बरकरार

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com